

डॉ. जेफरी नीहौस, बाइबिल धर्मशास्त्र, सत्र 5, अब्राहमिक वाचा

© 2024 जेफरी नीहौस और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. जेफरी नीहौस बाइबिल धर्मशास्त्र पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 5 है, अब्राहमिक वाचा।

खैर, जैसा कि हमने पिछली बार कहा था, हम सामान्य अनुग्रह वाचा पैकेज, एडमिक और नूहिक के अपने अध्ययन के निष्कर्ष पर पहुँच चुके हैं, जो ग्रह को एक संदर्भ के रूप में प्रदान करता है और गारंटी देता है जिसमें विशेष अनुग्रह कार्यक्रम शुरू हो सकता है।

और यह कार्यक्रम अब्राहमिक वाचा के साथ शुरू होता है, जैसा कि कुछ लोगों ने उल्लेख किया है और हम देखेंगे, वास्तव में अन्य विशेष अनुग्रह वाचाओं का भी अनुमान लगाता है। इसलिए, हम ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से शुरू करते हैं, जिसे मैं सगाई के रूप में वर्णित करूँगा। और यहाँ स्थिति है।

उत्पत्ति 12 में इस बिंदु पर, जहाँ हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि प्रभु ने अब्राहम से क्या कहा था, अब्राहम पहले से ही प्रभु का एक जागीरदार है। वह, ग्रह पर हर किसी की तरह, आदमिक और नूहिक वाचाओं के सामान्य अनुग्रह पैकेज के तहत प्रभु का एक जागीरदार है। इसलिए, यह पूरी तरह से वैध है कि परमेश्वर प्रकट हो और उससे बात करे और उसे बताए कि उसे क्या करना है, कहाँ यात्रा करनी है, इत्यादि, साथ ही साथ उससे वादे भी करे।

लेकिन प्रभु इस सामान्य अनुग्रह संदर्भ में बिना किसी वाचा के यह सब कर सकते हैं। और इस पर स्पष्ट होना महत्वपूर्ण है। कई विद्वानों का मानना है कि उत्पत्ति 12 में, आपको पहले से ही वाचा मिल गई है।

आपके पास यह नहीं है क्योंकि आपके पास यह उत्पत्ति 15:18 तक नहीं है, जहाँ आप पढ़ते हैं कि उस दिन, प्रभु ने अब्राहम के साथ एक वाचा बाँधी, इससे पहले कि वह अपना नाम बदले। तो, उस दिन, वाचा बनाई गई थी। और इस तरह के मामले में वाचा काटना, राष्ट्रों के बीच एक संधि की तरह है।

मान लीजिए कि अमेरिका के राष्ट्रपति और रूस के राष्ट्रपति एक मेज पर बैठे हैं। और वहाँ आपके पास एक व्यापार संधि है। हर किसी के पास चमड़े से बंधी अपनी प्रति है।

हर एक के पास संभवतः सोने का पेन है। और उनमें से एक आखिरी क्षण में फैसला करता है, नहीं, तुम्हें पता है क्या, मैं पीछे हटने जा रहा हूँ। मुझे बेहतर सौदा मिल सकता है।

मैं ऐसा नहीं करने जा रहा हूँ। खैर, यह संधि है। यह सब तय है।

यह सब तैयार है। लेकिन इसे काटा नहीं गया। इस पर हस्ताक्षर नहीं किए गए।

और इसलिए, कोई संधि प्रभावी नहीं है। और इसलिए, आपके पास वादे और योजनाएँ हो सकती हैं, लेकिन कोई संधि नहीं है। यहाँ, आपके पास वादे और योजनाएँ हैं, लेकिन अभी तक कोई अनुबंध नहीं है।

और इसलिए, प्रभु और यह सब भविष्य की ओर देखने वाला, आगे की ओर देखने वाला है। प्रभु उससे कहते हैं, अपना देश, अपने लोग और यह सब छोड़ दो। मैं तुम्हें एक महान राष्ट्र बनाऊंगा।

मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा। मैं तुम्हारा नाम महान करूंगा। और दिलचस्प बात यह है कि हिब्रू में यह एक अनिवार्य बात है।

ऐसा नहीं है; मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा, या तुम आशीर्वाद बनोगे, जैसा कि आमतौर पर इसका अनुवाद किया जाता है। और मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है। क्योंकि जिस तरह हमें दूसरों को उस सांत्वना से सांत्वना देनी है जिससे हमें सांत्वना मिली है, उसी तरह अब्राहम, जिसे अब आशीर्वाद दिया जाएगा, उसे भी दूसरों को आशीर्वाद देना चाहिए।

प्रभु हमें आशीर्वाद इसलिए नहीं देते कि हम धन्य हों और खुश रहें। उनका इरादा है कि हम, कहें तो, धन-संपत्ति को साझा करें, आशीर्वाद को साझा करें। और यही बात वह अब्राहम से कह रहे हैं।

और हम देखते हैं कि इसके कुछ समय बाद अब्राहम ऐसा करता है। ज़मीन को उसके और लूट के बीच बाँटना है। वह कहेगा, तुम चुन लो।

तुम जहाँ चाहो वहाँ जाओ। उत्पत्ति 14 में उसने लूट को कैद से छोड़ाया। इसलिए, वह एक आशीर्वाद है।

वह इसे पूरा करता है। प्रभु कहते हैं कि जो लोग तुम्हें आशीर्वाद देंगे, मैं उन्हें आशीर्वाद दूंगा और जो लोग तुम्हें शाप देंगे, मैं उन्हें शाप दूंगा। पृथ्वी पर सभी लोग तुम्हारे माध्यम से आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

उस आशीर्वाद को बाद में पौलुस ने लिया और आत्मा के वादे के रूप में पहचाना। और ठीक इसी तरह यह घटित होता है। सभी राष्ट्र अब्राहम के वंश, अर्थात् मसीह में विश्वास के माध्यम से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

और आशीर्वाद, बेशक, उनकी क्षमा और उद्धार है, लेकिन पवित्र आत्मा का उनका स्वागत है। और इसलिए, यही वह आशीर्वाद है जिसका वादा किया गया है। और इसी तरह पॉल बाद में वादा किए गए पवित्र आत्मा के बारे में बात कर सकता है।

आप यह सब पढ़ते हैं, और आपको कहीं भी पवित्र आत्मा का उल्लेख नहीं मिलता। लेकिन ऐसा ही होता है। ठीक है, तो यह सब भविष्य की ओर देखने वाला है।

भूमि का वादा भी है। प्रभु तुम्हारे वंशजों से कहता है, मैं यह भूमि तुम्हें दूंगा। भविष्य के लिए ये सभी भविष्यदर्शी बातें महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये वचनबद्ध हैं।

और आपके पास वादा तो हो सकता है, लेकिन वाचा नहीं हो सकती। और यह समझना महत्वपूर्ण है। प्रभु की वाचाओं में वादे हो सकते हैं।

अध्याय 18 में व्यवस्थाविवरण की वाचा का नवीनीकरण मूसा जैसे भविष्यवक्ता का वादा करता है। लेकिन वह भविष्यवक्ता मसीह निकलता है, जैसा कि प्रेरितों के काम की पुस्तक में पित्तेकुस्त के दिन पतरस ने पहचाना। लेकिन यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

तो, नई वाचा पूरी नहीं हुई है। तो, वाचा में ऐसे वादे होते हैं जो पूरे नहीं होते और भविष्य की वाचा में भी पूरे हो सकते हैं। वाचा की पुष्टि उत्पत्ति 15 और काटने में आती है।

और इसलिए, मैं यह सब नहीं पढ़ने जा रहा हूँ, लेकिन हम देखते हैं कि प्रभु ने अब्राहम को इन जानवरों को काटने के लिए कहा। और फिर हम पढ़ते हैं कि उन टुकड़ों के बीच एक जलती हुई मशाल गुजरी। मैं यहाँ इस पर नहीं जा रहा हूँ, लेकिन शब्द एक जलती हुई मशाल, ओवन, का उपयोग कभी-कभी न्याय करने के लिए आने वाले प्रभु के लिए किया जाता है।

तो, यह स्पष्ट रूप से एक ईश्वरीय दर्शन है। प्रभु टुकड़ों के बीच से गुजर रहे हैं। और हम इसके बारे में थोड़ी देर में और बात करेंगे।

अगर हम फॉर्म आलोचना की ओर मुड़ें, और फिर से, फॉर्म आलोचना को समझना कोई गंदा शब्द नहीं है। यह बस साहित्यिक विश्लेषण है। और अगर यह यथार्थवादी ढंग से किया जाता है, तो यह एक अच्छी बात है।

खैर, यहाँ फिर से, हम दूसरी सहस्राब्दी संधि या वाचा संरचना के तत्वों को देखते हैं। मैं यहोवा हूँ। यह वास्तव में पद 7 में शीर्षक है, जहाँ से वाचा का खुलासा शुरू होता है।

यह पद 1 में की गई घोषणा भी है, और यह अंश का परिचय देता है। 19वीं सदी में उदारवादी विद्वान और यह अभी भी जारी है; वे कहेंगे, ठीक है, आपके पास यहाँ दो अलग-अलग परिचय हैं, इसलिए आपके पास दो अलग-अलग स्रोत होने चाहिए। यह अंश को पूरी तरह से गलत तरीके से समझाता है, और अच्छी तरह से की गई आलोचना यह दिखाएगी।

पद 1 में मैं यहोवा हूँ, पूरे मार्ग, पूरी घटना का परिचय देता है। पद 7 में मैं यहोवा हूँ, संधि का शीर्षक है, वाचा का हिस्सा है। मैं यहोवा हूँ, जो तुम्हें कसदियों के ऊर से लाया।

पूरी तरह से अलग कार्य। दो अलग-अलग स्रोत नहीं, दो अलग-अलग कार्य। तो फिर ऐतिहासिक प्रस्तावना है, आपको कसदियों के ऊर से कौन लाया।

आशीर्वाद, वह एक वारिस और भूमि का वादा करता है और जिसे अनुदान कहा जाता है, वह आपको यह भूमि देगा। मुझे अनुदान के बारे में यह कहना है, और मैंने इसके बारे में लिखा है,

लेकिन एक विचारधारा रही है, और इसे 1970 के दशक में मोशे वेनफेल्ड ने प्राचीन निकट पूर्व में बाइबिल में अनुदान की वाचा नामक एक लेख में उठाया था। वेनफेल्ड ने कुछ वाचाओं को शुद्ध पूर्ण अनुदान के रूप में पहचाना।

तो, उगारिट के राजा, हम कहें, 1200 के दशक में सीरियाई तट पर एक शहर-राज्य, 1100 ईसा पूर्व, उगारिट के राजा एक उत्कृष्ट नागरिक से कह सकते हैं, आप एक उत्कृष्ट नागरिक रहे हैं। आपने राज्य के लिए अच्छे काम किए हैं। तो यहाँ, यहाँ एक अनुदान है।

यहाँ एक खेत, एक एकड़ जमीन और मवेशी हैं। यहाँ आइए, इसे लीजिए, इसका आनंद लीजिए: आप और आपकी आने वाली पीढ़ियाँ।

कोई दायित्व नहीं। यह आपका है। खैर, सतही तौर पर, यह ऐसा ही प्रतीत होता है, सिवाय एक बात के।

अब्राम के वंशज, जिन्हें यह अनुदान मिलने जा रहा है, उन्हें बस चलकर इस भूमि का आनंद लेने का मौका नहीं मिलेगा। उन्हें जाकर इस पर विजय प्राप्त करनी होगी। उन्हें काम करना होगा।

उन्हें लड़ना होगा। मुझे एक समानांतर कहानी मिली, जो मुझे लगता है कि 1200 ईसा पूर्व के आसपास तुकुल्टी-निनुरता। के इतिहास से बहुत अच्छी तरह से मेल खाती है, जिसमें उन्होंने क्षेत्रों का चित्रण किया है जो कि आप उत्पत्ति 15 के अंत में पढ़ते हैं। वह कहते हैं कि ये वे भूमि, सीमाएँ और क्षेत्र हैं जिन्हें महान देवताओं ने मुझे जीतने के लिए दिया था।

तो, यह एक अनुदान है, लेकिन यह जीतने के लिए भूमि का अनुदान है। यह वास्तव में एक विजय जनादेश है। और यही अब्राहम यहाँ प्राप्त कर रहा है।

यह कोई सीधा अनुदान नहीं है। इसलिए, यह अनुदान की वाचा नहीं है। यह एक सुजरेन-वासल व्यवस्था है जिसमें विजय का आदेश है, जिसे हम अनुदान कहेंगे।

एक गंभीर समारोह होता है जो वाचा की पुष्टि करता है, और हम इसके बारे में बात करेंगे। लेकिन यह पुष्टि ही है जो इसे वाचा बनाती है। और इसलिए, समारोह के बाद, हम पढ़ते हैं, उस दिन, प्रभु ने अब्राम के साथ एक वाचा बाँधी और तुम्हारे वंशजों से कहा, मैं यह भूमि तुम्हें देता हूँ।

यहाँ यह ध्यान देने योग्य बात है कि उत्पत्ति 12:7 में उसने तुम्हारे वंशजों से कहा था, मैं यह भूमि तुम्हें दूँगा। यह एक वादा था। अब जबकि वाचा कट चुकी है, वह तुम्हारे वंशजों से कहता है, मैं यह भूमि तुम्हें देता हूँ, या कोई यह भी कह सकता है, मैंने यह भूमि तुम्हें दे दी है।

इसका अनुवाद किसी भी तरह से किया जा सकता है। मुद्दा यह है कि एक बार जब अनुबंध समाप्त हो जाता है, तो यह एक तय सौदा होता है। ऐसा होने जा रहा है।

यह सिर्फ एक वादा नहीं है। यह तय हो चुका है। इसलिए, मुझे लगता है कि मौखिक अंतर एक महत्वपूर्ण अंतर है।

यहाँ टाइपोलॉजी, जानवरों के बीच के मार्ग के बारे में क्या? मेरेडिथ क्लाइन, मुझे लगता है, इसे देखने वाले पहले व्यक्ति थे। कुछ विद्वान इस पर सहमत हुए हैं। बहुत से नहीं।

लेकिन मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है। प्राचीन निकट पूर्वी संदर्भ में, ऐसा लगता है कि उनके पास इस तरह के बहुत सारे मामले नहीं हैं, लेकिन जब एक सुजैन जागीरदार संधि की जाती थी, तो जागीरदार उन टुकड़ों के बीच से गुजरता था जो इस तरह से कटे हुए होते हैं। प्रतीकात्मकता यह है कि अगर मैं, जागीरदार, संधि तोड़ता हूँ, तो वही हथ मेरा भी हो सकता है जो इन जानवरों का हुआ है।

सुजरेन ने यह मार्ग नहीं बनाया क्योंकि सुजरेन ने कभी कुछ गलत नहीं किया। वह संधि तोड़ने वाला नहीं था। यदि आप प्राचीन निकट पूर्वी इतिहास के बारे में पढ़ते हैं, तो सुजरेन और राजा हमेशा भयानक होते हैं।

वे कभी कुछ गलत नहीं करते। शाही इतिहास में 200 साल से असीरियन शिकार की परंपरा थी, जिसमें कहा जाता था कि, ठीक है, मैंने जहाँ भी तीर मारा, मैंने कुछ न कुछ नीचे गिराया। मैंने 80 शेरों के साथ हाथ से हाथ मिलाकर संघर्ष किया, और मैं हर बार जीत गया।

इसलिए, वे दोषरहित थे। संयोग से, यदि आप पुराने नियम के इतिहास की तुलना करें, तो इसमें काफी अंतर है। यह इतिहास और प्रचार के बीच का अंतर है।

पुराने नियम में आपको असली चीज़ मिलती है। आपको इतिहास, राजा और उनके व्यभिचार और उनकी मूर्तिपूजा और उनकी सारी कमियाँ मिलती हैं। प्राचीन दुनिया में ऐसा नहीं था।

तो, प्राचीन दुनिया में, यह जागीरदार था जो टुकड़ों के बीच से गुजरता था। अगर आप वाचा तोड़ते हैं तो क्या होता है इसका एक बेहतरीन उदाहरण आखिरी महान असीरियन सम्राट अशर्बनिपाल के साथ होता है। वह एक विद्रोही जागीरदार, एक दुनानू के बारे में बात करता है।

निनवे में, उन्होंने उसे एक चमड़ी उतारने वाली मेज़ पर फेंक दिया और उसे एक मेमने की तरह काट डाला। यह इस तरह के शपथ समारोह की पूर्ति है। मेमने के साथ तुलना दिलचस्प है।

और इसलिए, यह निश्चित रूप से एक समारोह का संकेत देता है, जैसा कि हमने उत्पत्ति 15 में देखा है। हालाँकि, इसे खोजने के लिए आपको बाइबल से बाहर जाने की ज़रूरत नहीं है। यिर्मयाह 34 में, हमारे पास ऐसी स्थिति है जहाँ लोग जुबली वर्ष के दौरान अपने दासों, अपने इब्रानी भाइयों और नौकरों को रिहा न करके मूसा की वाचा को तोड़ रहे हैं।

खैर, वे विवेक से त्रस्त हैं। और इसलिए, वे वही करना शुरू करना चाहते हैं जो सही है और कानून का पालन करना चाहते हैं। खैर, उन्हें बस वही करना है जो सही है और कानून का पालन करना है।

लेकिन इसके अलावा, वे खुद पर प्रभु के साथ एक अलग वाचा बांधने का दायित्व लेते हैं, कि ठीक है, अब हम यह काम शुरू करने जा रहे हैं। हम गुलामों को रिहा करने जा रहे हैं। इसलिए, वे ऐसा करते हैं।

और फिर वे इसे तोड़ देते हैं। वे इससे मुकर जाते हैं और इसे वापस ले लेते हैं। इसलिए, प्रभु कह रहे हैं, जिन्होंने मेरी वाचा का उल्लंघन किया है, यानी मूसा की वाचा, उन्होंने दासों को रिहा न करके इसका उल्लंघन किया है।

और फिर उन्होंने मेरे सामने की गई वाचा की शर्तों को पूरा नहीं किया है, जो कि दूसरी वाचा है जिसके बारे में हमने बात की थी। मैं इसे उस बछड़े की तरह मानूंगा जिसे उन्होंने काटा और उसके टुकड़ों के बीच से चले गए। और उनकी लाशें आकाश के पक्षियों और धरती के जानवरों का भोजन बन जाएंगी।

तो यह इस बात का एक बहुत ही स्पष्ट उदाहरण है कि यह समारोह क्या है और इसका क्या मतलब है, और इसके बीच से कौन गुजरता है। उस वाचा में, लोगों ने वाचा बनाने का काम अपने ऊपर ले लिया। वे टुकड़ों के बीच से चलते हैं।

उन्होंने वाचा तोड़ी है। उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे। इस मामले में, यह अब्राहम नहीं है, जो जागीरदार है, जो टुकड़ों के बीच से गुजरता है।

यह ईश्वरीय दर्शन में प्रभु है। और मुझे लगता है कि इसका सबसे अच्छा अर्थ यह है कि प्रभु प्रतीकात्मक रूप से कह रहे हैं, अब्राहम, यदि तुम या तुम्हारी संतान द्वारा वाचा तोड़ी जाती है, तो मैं, प्रभु, स्वयं दंड को अपने ऊपर ले लूंगा। और हम जानते हैं कि हम संतान हैं।

हम अब्राहम के वंश हैं, जैसा कि पॉल कहते हैं। यदि आप मसीह हैं, तो आप अब्राहम की संतान हैं। यह वादे के अनुसार है।

तो यह प्रभु द्वारा किया गया वादा है कि वह अब्राहम की संतान को मिलने वाली सज़ा को अपने ऊपर ले लेगा, जो हम विश्वास के द्वारा हैं। वह इसे लेने के लिए तैयार है। वह इसे लेने का वादा कर रहा है।

यही प्रतीकात्मकता है। अब्राहम को ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। इसलिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

और मुझे लगता है कि यही इस व्यवस्था का मसीही पहलू है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि यहाँ जिन जानवरों का उल्लेख किया गया है, वे वे जानवर हैं जो बाद में इस्तेमाल किए जाएंगे, उपयोग के लिए उपलब्ध होंगे, या लेविटिकल व्यवस्था में उपयोग के लिए निर्धारित किए जाएंगे। इसलिए, जब हम बाद में पढ़ते हैं, तो यीशु कहते हैं, मैं व्यवस्था को पूरा करने आया हूँ।

वह इसे एक से अधिक तरीकों से पूरा करने आया है। वह इसे इस अर्थ में पूरा करने आया है कि वह अपने बारे में इसमें दी गई भविष्यवाणियों को पूरा करता है। वह इसे पूर्ण आज्ञाकारिता के द्वारा पूरा करता है।

और वह खुद एक बलिदान बनकर सभी बलिदान संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। इसलिए, यह पहाड़ी उपदेश में एक गहरा कथन है। लेकिन आपको अब्राहम के साथ वाचा में इस सब की वास्तविक पूर्वाभास मिलता है।

अब, यह वाचा अब्राहम की संतान के साथ पुनः पुष्ट की गई है। और मैं कहता हूँ कि यह पहले उसके साथ पुनः पुष्ट की गई है। लेकिन यहाँ पुनः पुष्टीकरण, या इसमें शामिल क्रियाओं के हमारे पहले के अनुवाद के संदर्भ में, जब प्रभु इसे लागू करना, इसे प्रभावी बनाना चुनता है, तो उत्पत्ति 17 में आता है।

और यहीं पर आप पढ़ते हैं, मैं पुष्टि करूँगा, या मैं इसे लागू करूँगा, या मैं हमारे बीच अपनी वाचा को जारी रखूँगा। और वह उस वाचा के विभिन्न पहलुओं की पहचान करता है, जिसमें कई राष्ट्रों का वादा भी शामिल है। मैं, पद 7, इसे एक शाश्वत वाचा के रूप में लागू करूँगा, और इसी तरह।

हालाँकि, हम समझते हैं कि जिस शाश्वतता के बारे में हमने पहले बात की थी, उसके संदर्भ में खतना अब इस वाचा में प्रवेश को रोकता है, और यह अब वाचा के रूप में कार्य नहीं करता है। इसलिए, यह उस अर्थ में शाश्वत नहीं है। इस बात की पुष्टि करना महत्वपूर्ण है।

कुछ ईसाइयों के लिए यह पुष्टि करना कठिन हो सकता है क्योंकि हम अपने पिता अब्राहम और उसके बारे में सोचना पसंद करते हैं। और हम वास्तव में ऐसा करते हैं, और हम उनके जैसा विश्वास रखने से बच जाते हैं। लेकिन नया वाचा अपने आप में वह सब कुछ ले लेता है और पूरा करता है जिसकी अब्राहमिक वाचा के तहत पूर्वाभास या आशा की गई थी।

और इसलिए, इस अर्थ में, हम कह सकते हैं कि अब्राहमिक वाचा जीवित है यदि आप चाहें। लेकिन अब हम खतना नहीं किए गए हैं। अब हम अब्राहमिक वाचा में शामिल नहीं हैं।

तो, एक कार्यशील वाचा के रूप में, यह अब जारी नहीं है। यह काम नहीं करता है। और आइए यहाँ देखें।

मैं इस पर बहुत विस्तार से नहीं लिखूँगा, लेकिन हम इसे इस फॉर्म में और पीडीएफ में यहाँ रखेंगे। इस पुनर्कथन में विभिन्न प्रावधान उन बातों को उठाते हैं जो पहले कही गई थीं। और इसलिए, यहाँ हमारे पास खतना है, और इसे वाचा के संकेत के रूप में दिया गया है।

यहाँ समझें कि केवल एक ही अब्राहमिक वाचा है, और खतना इसका संकेत है। एक विचारधारा है। यह वास्तव में उच्च आलोचना में निहित है।

उच्च आलोचकों ने सोचा कि उत्पत्ति 15 में आपके पास एक अब्राहमिक वाचा थी और उत्पत्ति 17 में एक अब्राहमिक वाचा थी। हालाँकि, उन्हें नहीं लगा कि ये वास्तव में दो अलग-अलग वाचाएँ थीं। उन्होंने सोचा कि वे एक ही वाचा के दो अलग-अलग संस्करण थे।

उत्पत्ति 15 में, आपके पास J और E चल रहे हैं। उत्पत्ति 17 अब्राहमिक वाचा का पुजारी विवरण है, लेकिन यह केवल एक अब्राहमिक वाचा है। उन्होंने ऐसा क्यों सोचा? खैर, उन्होंने ऐसा क्यों सोचा कि केवल एक ही वाचा थी? मुझे लगता है क्योंकि बाइबल कभी भी एक से अधिक का उल्लेख नहीं करती है।

यह हमेशा अब्राहम के साथ मेरी वाचा है, या यहाँ तक कि अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ मेरी वाचा है, क्योंकि यह एक वाचा थी। वे सभी इसके अधीन थे, जिसमें सभी समान वादे शामिल थे, जिसमें खतने की आवश्यकता भी शामिल थी। हालाँकि, ऐसा हुआ, आखिरकार टी. डेसमंड अलेक्जेंडर ने अपनी पुस्तक, फ्रॉम पैराडाइज़ टू द प्रॉमिस्ड लैंड में सोचा कि इस दृष्टिकोण में सटीकता की कमी है।

हमें वास्तव में यह समझने की ज़रूरत है कि यहाँ वास्तव में दो अलग-अलग वाचाएँ हैं। उत्पत्ति 15 एक बिना शर्त वाली वाचा है क्योंकि परमेश्वर स्वयं सभी वादे करता है और सब कुछ करता है। अब्राहम को कुछ भी करने की ज़रूरत नहीं है।

उत्पत्ति 17 सशर्त है क्योंकि अब्राहम को ये सब करना है। उसे खतना करवाना होगा, इत्यादि। ऐसा करने के लिए पर्याप्त अब्राहमिक सामग्री है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप किसी वैध निष्कर्ष पर पहुँच गए हैं।

इसलिए प्रतिवाद इस प्रकार होगा, एक, जैसा कि हमने कहा है, बाइबल कभी भी एक से अधिक अब्राहमिक वाचा का उल्लेख नहीं करती है। वास्तव में, यह अब्राहम, इसहाक और याकूब के साथ वाचा का उल्लेख एक विलक्षण वाचा के रूप में करती है क्योंकि यह वास्तव में वही वाचा थी जिसकी पुष्टि अन्य कुलपिताओं, पुत्रों और अब्राहम की संतानों के साथ की गई थी। फिर, दो, खतना।

इसे समझने के लिए बस इतना ही करना है कि नए नियम को देखें। मैं बस इतना ही कहूँगा कि अगर आप बाइबल संबंधी धर्मशास्त्र का अध्ययन करने जा रहे हैं, तो आपको पूरी बाइबल देखनी चाहिए। रोमियों 4 में, पॉल ने स्पष्ट किया है कि खतना दूसरी अब्राहमिक वाचा का संकेत नहीं है।

यह अब्राहम के विश्वास का प्रतीक है। खैर, उसने वह विश्वास कब दिखाया? उत्पत्ति 15 में, जब एकमात्र अब्राहमिक वाचा को काटा गया था। तो, खतना अब्राहमिक वाचा का प्रतीक है, और यह उसके द्वारा कही गई बात को समझ में आता है, आप जानते हैं कि यदि आपका खतना हुआ है, तो आपको पूरे कानून का पालन करना होगा, जैसा कि हमने कहा है।

इसके अलावा, यह पैटर्न, वाचा काटना, खतना करवाना, और फिर कुछ और निर्देश देना, जो प्रभु ने अब्राहम को दिया, मूसा की वाचा में भी अपनाया गया है। प्रभु ने सिनाई पर वाचा बाँधी। बाद में, निर्गमन 31 में, वह सब्त का संकेत देता है।

बाद में, वह और निर्देश देता है। यह नई वाचा के साथ भी सच है। यीशु क्रूस पर वाचा को तोड़ता है।

बाद में, वह बपतिस्मा का संकेत देता है। उसके बाद, आपको पत्रों पर और निर्देश मिलते हैं। तो यह एक पैटर्न लगता है जिसका प्रभु इनमें पालन करता है।

लेकिन यह तय करना कि अब्राहम के साथ एक से ज़्यादा वाचाएँ हैं या नहीं, बस सबूतों को देखने और उनके आधार पर चलने का मामला है, बजाय इसके कि हम उनसे अपनी खुद की रचना करने की कोशिश करें। और यह ऐसी चीज़ है जिसके बारे में किसी को सावधान रहना चाहिए क्योंकि, जैसा कि मैंने कहा है, अब्राहमिक कथाओं में इतनी सामग्री है कि आप उससे खेल सकते हैं और अगर आप चाहें तो दो वाचाएँ बना सकते हैं। लेकिन व्यापक बाइबिल चित्र इसका बिल्कुल भी समर्थन नहीं करता है।

लेकिन वैसे भी, यहाँ यही बात है। प्रभु अब वाचा को लागू कर रहे हैं, और अब वाचा का संकेत दे रहे हैं, वह वाचा जो उन्होंने पहले अब्राहम के साथ की थी। वाचा मुहावरों का अध्ययन, जो मैंने अपने दूसरे खंड में किया है, एक या दो अन्य विद्वानों द्वारा भी किया गया है।

मुझे लगता है कि इससे पहले किए गए किसी भी अध्ययन की तुलना में इस पर मेरा विचार अधिक विस्तृत है, लेकिन ऐसा हो सकता है। वाचा के मुहावरों, वाचा से संबंधित मुहावरों के उपयोग का अध्ययन इस विचार का समर्थन करता है कि, नूह की वाचा के साथ हमने जो असाधारण कारण देखा है, उसे छोड़कर, इन मुहावरों का उपयोग बाइबल में केवल मौजूदा वाचाओं की पुष्टि या उन्हें प्रभावी बनाने के लिए किया जाता है। इनका उपयोग कभी भी नई वाचाएँ बनाने के लिए नहीं किया जाता है।

और इसलिए, हमारे पास यहाँ मुख्य वादे हैं। संतान का वादा, भूमि का वादा, शाही संतान का वादा। इसे शाश्वत के रूप में नामित किया गया है, इत्यादि।

लेकिन हमने इस बारे में बात की है। और यहाँ कथन, आपके शरीर में वाचा उत्पत्ति 17.7 में एक शाश्वत वाचा है। वास्तव में, हिब्रू मुहावरा कहता है कि यह एक शाश्वत वाचा बन जाएगी, जो वास्तव में इस व्याख्या का समर्थन करती है कि प्रभु अब इसे लागू कर रहे हैं। उन्होंने इसे काट दिया है। यह एक कानूनी इकाई के रूप में अस्तित्व में था, लेकिन अब यह संकेत के साथ इसे लागू कर रहा है, और यही वह बनने जा रहा है।

यह हमेशा के लिए नहीं, बल्कि इतने लंबे समय तक चलने वाला है कि अब्राहम, आपके दृष्टिकोण से, यह नज़र से ओझल हो जाएगा। यह भविष्य में इतना दूर है कि आप इसे देख नहीं सकते। मैं इसे अभी से लागू कर रहा हूँ, और यही होने वाला है।

ठीक है, हालाँकि, जैसा कि हमने कहा है, खतना अब वाचा के चिन्ह के रूप में नहीं किया जाना चाहिए, वाचा स्वच्छता के उद्देश्यों के लिए शाश्वत नहीं हो सकती है, लेकिन इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। ठीक है, फिर, उत्पत्ति 22 में, हमारे पास यह आवश्यकता है कि अब्राहम अपने

बेटे की बलि दे, और फिर प्रभु उसे इससे मुक्त कर देता है और एक विकल्प प्रदान करता है। और प्रभु कहते हैं, ठीक है, मैं अपनी कसम खाता हूँ कि क्योंकि तुमने यह किया है और अपने बेटे, अपने इकलौते बेटे को नहीं रोका है, मैं तुम्हें आशीर्वाद दूंगा, और इसी तरह।

और वह इन पहले की प्रतिज्ञाओं को, लगभग सभी को दोहराता है। और इसलिए, संयोग से, मुझे लगता है, यह उस विश्वास का एक बड़ा संकेत है जिसे प्रभु ने शुरुआत में अब्राहम में देखा था, और यह इस अद्भुत फल को जन्म देता है। और प्रेरित पौलुस, बेशक, जैसा कि हमने देखा है, बीज को मसीह के साथ पहचानता है, इसलिए यह एक जबरदस्त वादा है।

हम विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराए जाते हैं, जैसा कि अब्राहम ने किया था, और हम उस एक बीज में विश्वास के द्वारा अब्राहम की सच्ची संतान हैं जिसे पॉल ने पहचाना है, अर्थात् मसीह। ठीक है, जहाँ तक ईश्वर पर विश्वास करने की बात है, मैं कहूँगा, आप जानते हैं, यदि धार्मिकता स्वयं को ईश्वर के साथ समानांतर रखना है, और किसी का होना और करना है, तो विश्वास का कार्य भी एक धार्मिक कार्य है। यीशु यीशु मसीह है, धार्मिक।

प्रकाशितवाक्य 1:5 में वह विश्वासयोग्य गवाह भी है। इसलिए, विश्वास का कार्य ही एक धार्मिक कार्य है, लेकिन विश्वास का अभ्यास करने का अर्थ यह नहीं है कि हम पूरी तरह से धार्मिक हैं। और इसलिए, परमेश्वर हमें वह धार्मिकता प्रदान करता है जो अभी तक हमारे पास पूरी तरह से नहीं है।

हालाँकि, जैसे-जैसे हम प्रभु का अनुसरण करते हैं, हम उम्मीद करते हैं कि धार्मिकता भी बढ़ेगी। लेकिन, बेशक, इसमें एक रहस्य शामिल है क्योंकि जब तक ईश्वर इसे सक्षम नहीं करता, तब तक विश्वास स्वयं संभव नहीं होगा। इसलिए, यहाँ स्वतंत्र इच्छा और पूर्वनियति का प्रश्न निहित है, जिस पर हम नए नियम में थोड़ा विचार करेंगे।

लेकिन अभी के लिए, आप जानते हैं, यहाँ आपके पास विश्वास का महत्व है, और यही हमें अब्राहम की संतान के रूप में पहचानता है। खैर, प्रभु अब्राहम की अधिक तत्काल संतान, उसके बेटे इसहाक के साथ इसकी पुष्टि करते हैं, और हम इस बारे में पहले ही बात कर चुके हैं। और प्रभु इस पुष्टि में कहते हैं कि मैं शपथ की पुष्टि करूँगा, या हम कहें कि इसे तुम्हारे लिए लागू करूँगा, जो शपथ मैंने अब्राहम से ली थी।

प्राचीन निकट पूर्व में और अक्सर पुराने नियम में भी वाचाएँ शपथ के साथ समाप्त होती थीं। और इसलिए, शपथ का उपयोग वाचा के लिए एक पर्यायवाची के रूप में किया जाता है, पूरे के लिए एक हिस्सा। यह कहने का एक तरीका है कि मैं तुम्हारे साथ वाचा की पुष्टि करूँगा।

और यह पुनः पुष्टि, जिसे मैं इसे कहूँगा, में वही वादे शामिल हैं जो हमने अब्राहमिक सामग्री में पहले देखे हैं। भूमि का वादा, सितारों की तरह वंशज, और सभी राष्ट्रों को आशीर्वाद दिया जाना। हाँ, इन्हें पुनः पुष्टि कहें न कि नवीनीकरण।

पिछले लेख में, मैंने उन्हें नवीनीकरण के रूप में संदर्भित किया था, और फिर मैंने खुद को सही किया क्योंकि ये पुनर्कथन, इसहाक और याकूब के साथ ये पुनः पुष्टि, कथा सामग्री में पूर्ण

विकसित रूप नहीं है। उनमें वे सभी विवरण नहीं हैं जिनकी आप वास्तविक वाचा नवीनीकरण में अपेक्षा करेंगे। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि ये नवीनीकरण हैं, और ये पुनः पुष्टि हैं।

इसहाक और याकूब अब्राहमिक वाचा के भागीदार हैं। उनका खतना हो चुका है, वे प्रभु के साथ चल रहे हैं, और वह बस उनके साथ इसकी पुष्टि कर रहा है, जो एक बहुत ही दयालु बात है। फिर से, जब वह याकूब को संबोधित करता है, तो वह मूल रूप से इन वादों को दोहराता है। दिलचस्प बात यह है कि अब्राहम और इसहाक से वादा किया गया है कि वंशज सितारों की तरह होंगे।

याकूब के लिए, वे धूल की तरह होंगे। यह दिलचस्प है। याकूब, निश्चित रूप से, यूसुफ के साथ मिस्र में पहुँचता है।

और प्राचीन निकट पूर्व में, आपके पास संख्या के लिए कुछ के साथ दो बहुत प्रसिद्ध तुलनाएँ हैं। और मेसोपोटामिया के लोग एक विरोधी सेना की तुलना स्वर्ग के सितारों से करते थे। वे कह रहे थे कि वे संख्या के लिए स्वर्ग के सितारों की तरह हैं।

वे बहुत सारे थे। मिस्रवासी उनकी तुलना रेत या धूल से करते थे। वे समुद्र के ज़्यादा करीब थे।

तो, यह बहुत ही रोचक है। तो, अब्राहमिक लाइन में, आपको दोनों मिलते हैं। और याकूब के साथ, आपको धूल से तुलना मिलती है, लेकिन फिर भी बात वही है।

इसलिए, जैसा कि हमने कहा है, ये पुनः पुष्टि संभवतः वाचा नवीनीकरण नहीं हैं क्योंकि रूप आलोचना और साथ ही प्रयुक्त क्रियाओं के कारण। इन क्रियाओं का उपयोग बाइबल में नई, यहाँ तक कि नवीनीकरण-प्रकार की वाचाएँ बनाने के लिए नहीं किया जाता है। खैर, हमारे पास यहाँ एक वाचा है जो तीन अन्य वाचाओं को दर्शाती है।

मूसा की वाचा में संतान के वादे का उल्लेख है। व्यवस्थाविवरण में हम पढ़ते हैं कि यह वादा, कम से कम एक स्तर पर, पूरा हुआ है। मूसा कह सकता है, प्रभु परमेश्वर ने तुम्हारी संख्या बढ़ा दी है ताकि आज तुम आकाश में तारों के बराबर हो जाओ।

खैर, यह सुनकर इस्राएलियों को ठीक से पता चल जाएगा कि यह किस बात की ओर इशारा कर रहा है। परमेश्वर ने अब्राहम से जो वादा किया था, उसे पूरा कर दिया है। और निर्गमन होने जा रहा है, और यह भी एक वादा पूरा होने जैसा है।

प्रभु कहते हैं, अब्राहम, तुम्हारे वंशज एक ऐसे देश में जाएँगे जो उनका नहीं है। वे 400 साल तक गुलाम रहेंगे और उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाएगा, लेकिन मैं उस राष्ट्र को दण्डित करूँगा। और उसके बाद, तुम्हारे वंशज बहुत सारी सम्पत्ति लेकर बाहर आएँगे।

इस्राएल और मिस्र के साथ भी यही हुआ। प्रभु उनकी कराह सुनता है। वह अपनी वाचा को याद करता है, जिसका अर्थ यह नहीं है कि वह उसे भूल गया है।

और फिर उसे यह याद आता है, लेकिन अब वह सक्रिय रूप से इस पर अपना ध्यान केंद्रित करता है। और इसलिए वह ऐसा करने जा रहा है। मैं भगवान हूँ।

मैं तुम्हें मिस्त्रियों के जुए से मुक्त कर दूँगा। मैं तुम्हें उनके दासत्व से मुक्त कर दूँगा, इत्यादि। और इस तरह वह अपना वादा पूरा करता है।

भजन 105, इस पर बहुत बाद में चिंतन करते हुए, उसने अपने सेवक अब्राहम को दिए गए अपने पवित्र वादे को याद किया। उसने अपने लोगों को आनन्द के साथ, अपने चुने हुए लोगों को खुशी के नारे लगाते हुए बाहर निकाला। इसलिए, अब्राहमिक वाचा में पूर्वाभासित निर्गमन, उत्पत्ति 15 मोज़ेक के तहत पूरा होता है।

विजय का पूर्वाभास इसलिए भी है क्योंकि वह लोगों को वापस उस भूमि पर लाने जा रहा है और युद्ध की आवश्यकता है। उत्पत्ति 15 में विजय का वर्णन नहीं किया गया है, लेकिन बाद में हम जानते हैं कि यह कैसे होने जा रहा है। और इसलिए, विजय उस वादे को पूरा करती है। वह अब्राहम के वंशजों को यह भूमि देने जा रहा है, और निर्गमन 6 में प्रभु वादा करता है, मैं तुम्हें उस भूमि पर ले जाऊँगा जिसे देने की शपथ मैंने अब्राहम, इसहाक और याकूब को दी थी।

वह ऐसा करता है, और भजन 105 भी इस पर विचार करता है। वह अपनी वाचा को याद करता है, वह वाचा जो उसने अब्राहम के साथ की थी, शपथ, जो फिर से, वाचा के लिए पर्यायवाची है। उसने इसहाक से शपथ ली, और याकूब को एक आदेश के रूप में इसकी पुष्टि की।

फिर से, यह वाचा का हिस्सा है। यह पूरे इस्राएल का एक हिस्सा है, एक दीर्घकालिक वाचा के रूप में, क्या हम कह सकते हैं। हम इसे हमेशा के लिए नहीं कहेंगे क्योंकि हम जानते हैं कि यह हमेशा के लिए नहीं रहता।

मैं तुम्हें कनान की भूमि दूँगा। और फिर उसने उन्हें राष्ट्रों की भूमि दी। वे उसके उत्तराधिकारी बन गए जिसके लिए दूसरों ने कड़ी मेहनत की थी ताकि वे उसके उपदेशों को मान सकें और उसके नियमों का पालन कर सकें।

यह ध्यान देने योग्य है कि परमेश्वर ने ऐसा क्यों किया। परमेश्वर सिर्फ यह नहीं कह रहा है कि, तुम जानते हो, अब्राहम के बच्चों, सच कहूँ तो, मैंने पूरी दुनिया में देखा है, और मुझे लगता है कि तुम बहुत बढ़िया हो। इसलिए, तुम इसके हकदार हो।

मैं तुम्हें यह बताने जा रहा हूँ। नहीं, जैसा कि तुम व्यवस्थाविवरण 4 में पढ़ते हो, उसने उन्हें इसलिए चुना क्योंकि वे लोगों में सबसे छोटे थे। उसने उन्हें खुद की महिमा करने के लिए चुना।

वह उन्हें आशीर्वाद देता है ताकि वे आशीर्वाद बन सकें, जैसा कि उसने अब्राहम से कहा था, आप जानते हैं, आशीर्वाद बनो। यहाँ यही इरादा है। वह उन्हें वहाँ इसलिए ला रहा है ताकि वे उसकी आज्ञा मान सकें।

और जैसा कि मूसा ने व्यवस्थाविवरण में कहा है, अन्य राष्ट्र देख सकते हैं, आप जानते हैं, परमेश्वर किस तरह से है, जिसने एक व्यक्ति को दूसरे राष्ट्र के बीच से निकालकर उन्हें ये अद्भुत कानून दिए हैं। यह भी है कि परमेश्वर के पास पृथ्वी पर गवाह हो सकते हैं। और, बेशक, जैसा कि हम जानते हैं, इस्राएल गवाहों का एक बहुत ही अपूर्ण समूह निकला।

लेकिन यही उद्देश्य है। इसलिए, मूसा की वाचा की पूर्व शर्त के रूप में अब्राहम की कई संतानों की प्रतिज्ञा एक स्तर पर पूरी हो गई है। अब ऐसे लोग हैं जिनके साथ परमेश्वर यह नई मूसा की वाचा बना सकता है।

दासता से मुक्ति का अब्राहमिक वादा भी मूसा की वाचा की पूर्व शर्त के रूप में पूरा होता है। वाचा बनाने से पहले वह उन्हें दासता से मुक्त करता है। फिर, मूसा की वाचा के तहत भूमि का वादा पूरा होता है।

खैर, डेविड की वाचा उत्पत्ति 17 में अब्राहम की वाचा में भी निहित है, जहाँ प्रभु, हम कह सकते हैं, संकेत देता है और इसे लागू करता है, वाचा। मैं तुम्हें बहुत फलदायी बनाऊँगा; राष्ट्र और राजा तुमसे उत्पन्न होंगे। और मुझे लगता है, संकेत भी हैं, और निश्चित रूप से, राजा तब आते हैं।

आपके पास शाऊल है, लेकिन फिर आपके पास वास्तव में राजा हैं, बहुवचन, दाऊद और दाऊद की वाचा के माध्यम से। तो यह एक तरह से निहित है। उत्पत्ति 22 में, आपके पास एक दिलचस्प कथन है जो मुझे लगता है कि सुलैमानी मंदिर की पूर्वसूचना या संकेत देता है।

हम जानते हैं कि प्रभु ने अब्राहम को मोरिया जाने को कहा, और यही वह पर्वत है जहाँ उसे इसहाक की बलि देनी है। और, बेशक, प्रभु उसे इससे बचाता है। और एक विकल्प प्रदान करता है, वह मेढ़ा जिसके सींग एक झाड़ी में फँसे हुए हैं।

इसलिए, अब्राहम ने उस जगह को भगवान द्वारा प्रदान किया जाने वाला स्थान कहा। आज तक, यह कहा जाता है कि भगवान के पर्वत पर, यह प्रदान किया जाएगा। खैर, हम थोड़ी देर में बात करेंगे कि इसका अलग-अलग अनुवाद कैसे किया जा सकता है, और यह काफी दिलचस्प है।

लेकिन यहाँ सबसे पहले यह ध्यान देने योग्य बात है कि वह नाम, यहोवा-यिरेह या हिब्रू में याहवे-यिरेह, कोई ईश्वरीय नाम नहीं है। यह एक जगह का नाम है। वह कहता है कि उसने उस जगह का नाम यहोवा-यिरेह रखा।

मैं कई चर्चों में गया हूँ जहाँ मैंने ईश्वरीय नामों की तस्वीरें देखी हैं, और उनमें से एक है यहोवा-जीरेह। और यह कोई ईश्वरीय नाम नहीं है, दोस्तों। और इसे जानने के लिए आपको हिब्रू भाषा जानने की ज़रूरत नहीं है।

आपको बस इसे पढ़ना है। अब्राहम ने उस जगह का नाम रखा जिसे प्रभु प्रदान करेंगे। आपके पास विद्वान हैं, मैं उनका नाम नहीं लूँगा, लेकिन आपके पास ऐसे विद्वान हैं जो कहते हैं कि यह एक दिव्य नाम है।

यह कोई ईश्वरीय नाम नहीं है। लेकिन वैसे भी, यह एक जगह का नाम है। इसे भगवान प्रदान करेंगे कहा जाता है।

इसका शाब्दिक अर्थ है कि भगवान देखेंगे। इसका अर्थ यह हो सकता है कि भगवान इसे देखेंगे और इसकी व्यवस्था करेंगे। यह ठीक है।

हालाँकि, यह भी कहा गया है कि प्रभु के पर्वत पर, यह प्रदान किया जाएगा, उस क्रिया का निष्क्रिय रूप, देखें। प्रभु के पर्वत पर, यह देखा जाएगा। लेकिन इन कथनों का अनुवाद इस तरह से हो सकता है।

प्रभु के पर्वत पर, कोई प्रभु को देखेगा। और प्रभु के पर्वत पर, यह प्रदान नहीं किया जाएगा, बल्कि वह देखा जाएगा। और वह क्रिया, यह प्रदान किया जाएगा, जैसा कि आमतौर पर इसका अनुवाद किया जाता है, वास्तव में प्रभु के प्रकट होने के लिए हर समय थियोफनी में उपयोग किया जाता है।

तो, एक संभावित अनुवाद यह हो सकता है कि अब्राहम उस स्थान का नाम बता रहा है, यहाँ कोई प्रभु को देखेगा, और इसीलिए यह कहा जाता है कि प्रभु के पर्वत पर, वह दिखाई देगा, या वह प्रकट होगा। खैर, क्या कोई बाद का सबूत है जो उस विचार का समर्थन करेगा? हम 2 इतिहास 3:1 में सीखते हैं, सुलैमान ने यरूशलेम में मोरिया पर्वत पर प्रभु का मंदिर बनाना शुरू किया, जहाँ प्रभु प्रकट हुए थे, वही क्रिया, उसके पिता दाऊद को, यबूसी अरौना के खलिहान में। इसलिए, अगर हम उत्पत्ति 22 में कथन का अलग तरह से अनुवाद करें, तो हम कहेंगे कि अब्राहम ने उस स्थान का नाम बताया, और कोई प्रभु को देखेगा।

और इसलिए, यह कहा गया कि प्रभु के पर्वत पर वह प्रकट होगा। बाद में, हमने पढ़ा कि प्रभु उस पर्वत पर दाऊद के सामने प्रकट हुआ। मुझे लगता है कि यह एक दूसरे से अच्छी तरह मेल खाता है।

यह एक व्यवहार्य अनुवाद है। यह दिलचस्प है। इस तरह के मामले में, मैं यह भी सुझाव दूंगा कि किसी को एक या दूसरे अनुवाद को चुनने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि दोनों ही व्यवहार्य हैं।

और मुझे लगता है कि कभी-कभी पवित्रशास्त्र में, यह परमेश्वर की बुद्धिमत्ता है कि वह हमें कुछ ऐसा देता है जिसे दो तरीकों से लिया जा सकता है, और दोनों ही सत्य हैं। और मुझे लगता है कि यह शायद उसी का मामला है। तो, वैसे भी, पहाड़, फिर, बलिदान का स्थान है, जैसा कि यह पता चलता है, मूसा की वाचा के तहत।

व्यवस्थाविवरण 12:5 में कहा गया है कि तुम अपनी बलि अपने गोत्रों में से उस स्थान पर चढ़ाओगे जहाँ यहोवा निवास करना चाहता है। यानी उन दिनों में, जहाँ भी वह तम्बू खड़ा करेगा। हम जानते हैं कि एली के दिनों में, वह शिलोह में था।

अंततः, प्रभु का निवास यरूशलेम में मोरिया पर्वत पर, या मंदिर में हुआ। हालाँकि, अब्राहम के जीवन में इस घटना के मसीह-संबंधी पहलू भी हैं। उसका बेटा, जिसकी बलि चढ़ाई जाती है, बहुत मसीह-संबंधी है।

पिता अपने बेटे की बलि चढ़ाता है। लेकिन फिर बेटे के लिए एक वैकल्पिक बलिदान होता है, और वह भी ईसाई धर्म के अनुसार है। इसलिए, यह एक शानदार प्रकरण है।

दिलचस्प बात यह है कि, मुझे लगता है, आप जानते हैं, प्रभु, यह एक गंभीर परीक्षण की तरह लग सकता है, और मुझे लगता है कि यह अब्राहम के लिए रहा होगा। लेकिन प्रभु वास्तव में उसे एक उल्लेखनीय विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति में रखता है क्योंकि वह चीजों की संरचना में उसी स्थिति में आता है जिसमें पिता स्वयं है। पिता अपने बेटे, यीशु की बलि देता है।

अब्राहम उस स्थिति में है। उसे इसका थोड़ा सा हिस्सा मिलता है। और मुझे लगता है कि हम इस पर ज़्यादा बात नहीं करेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि उसने होशे के साथ भी कुछ ऐसा ही किया है, जहाँ उसने उसे एक व्यभिचारी पत्नी से विवाह करवाया है, ठीक वैसे ही जैसे प्रभु ने एक व्यभिचारी इस्राएल से विवाह किया है।

तो, वह ऐसा कर सकता है। वह पैगंबर को ऐसी स्थिति में रख सकता है जो कुछ मायनों में उसके खुद के समानांतर हो। और मुझे लगता है कि बहुत से पैगंबरों के पास ऐसा नहीं है, और यह एक बड़ा सौभाग्य है, हालाँकि यह किसी के जीवन में बहुत दुखद भी हो सकता है, मुझे लगता है।

लेकिन नई वाचा जो इन तरीकों से निहित है, जिसे उत्पत्ति 15 में शपथ मार्ग कहा गया है, इकलौते बेटे की बलि, मेढ़े की प्रतिस्थापन बलि। अगर हम अब्राहम की वाचा को देखें, और फिर जिसे मैंने प्रमुख प्रतिमान कहा है, उसके संदर्भ में, परमेश्वर एक भविष्यवक्ता, अब्राहम के माध्यम से अपनी आत्मा द्वारा कार्य करता है। मैं यहाँ चर्चा में 2 पतरस 1 को लाता हूँ, जो हमें बताता है कि भविष्यवक्ताओं को आत्मा द्वारा आगे बढ़ाया गया था, और अब्राहम एक भविष्यवक्ता था।

उत्पत्ति 20, श्लोक 7 में उसे एक भविष्यवक्ता के रूप में पहचाना गया है, जो बाइबल में इस शब्द का पहला प्रयोग है। वह अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध करता है और उन्हें पराजित करता है, और इसका कुछ वर्णन उत्पत्ति 14 में भी मिलता है। वह बाहर जाता है और अपने रिश्तेदार लूत और उसके लोगों को बचाता है।

फिर वह वाचा स्थापित करता है। यह अब्राहम और उसके परिवार को परमेश्वर के लोगों के रूप में स्थापित करता है, कम से कम औपचारिक रूप से, और खतना के द्वारा। और बेशक, फिर से, यहाँ, हालाँकि अभी तक कोई मंदिर नहीं है क्योंकि उसके लिए पर्याप्त लोग नहीं हैं, प्रभु अभी तक ऐसा नहीं कर रहे हैं।

खैर, प्रभु तब इस वाचा को याद करते हैं, और जैसा कि हम पहले ही इस बारे में बात कर चुके हैं, वह इसे मिस्र से उन्हें छुड़ाने के लिए एक मकसद के रूप में याद करते हैं। हमने उन अंशों को पढ़ा है, और उन्हें भूमि देने के लिए, और हमने इसे पढ़ा है। यह भी भविष्यवाणी की गई है कि वह

उन्हें याद रखेंगे, अब्राहमिक वाचा को याद करेंगे, यानी, उन्हें भविष्य के निर्वासन से छुड़ाने के लिए एक कारण के रूप में।

लैव्यव्यवस्था 26 में इसकी भविष्यवाणी की गई है। यदि वे अपने पापों और अपने पिताओं के पापों को स्वीकार करते हैं, तो जब उनके खतनारहित हृदय नम्र हो जाते हैं, और वे अपने पापों का भुगतान करते हैं, तो मैं याकूब के साथ अपनी वाचा, इसहाक के साथ अपनी वाचा, और अब्राहम के साथ अपनी वाचा को याद करूंगा, और मैं देश को याद करूंगा। यह ध्यान देने योग्य है कि वह उन्हें मूसा की वाचा के आधार पर नहीं छुड़ा रहा है, जिसे उन्होंने तोड़ा था।

वह अब्राहमिक वाचा को याद कर रहा है, जो बड़े छुटकारे के कार्यक्रम की भविष्यवाणी करता है, और उसके लिए, वह उन्हें निर्वासन से छुड़ाता है। जिस वाचा को उन्होंने तोड़ा, जो उन्हें निर्वासन में ले गई, वह मूसा की वाचा थी, और वह भी जारी है, लेकिन इस सब में अब्राहमिक वाचा के व्यापक छुटकारे के महत्व को याद रखना महत्वपूर्ण है, और मुझे यकीन नहीं है कि हमें इसमें से कितना विस्तार से पढ़ने की ज़रूरत है। मैंने उनके पूर्वजों के साथ जो वाचा बनाई थी, जिन्हें मैं मिस्र से बाहर लाया था, वह स्पष्ट रूप से मूसा की वाचा को संदर्भित करती है, और यही वह वाचा है जिसे उन्होंने यहाँ तोड़ा है।

कोई यह तर्क दे सकता है कि अब्राहमिक वाचा मूसा की वाचा द्वारा उसी वाचा चिन्ह के साथ पूरी की जाती है, लेकिन जैसा कि हमने देखा है, ऐसा नहीं हो सकता। मूसा की वाचा का चिन्ह सब्त है। यह सिर्फ़ इस बात पर ध्यान देने के लिए है कि मूसा की वाचा अब्राहमिक वाचा का नवीनीकरण नहीं है।

यह एक अलग वाचा है जिसमें अलग-अलग नियम और शर्तें हैं। यह एक नए तरीके से लोगों का गठन करता है। इसमें मंदिर की उपस्थिति है, पापों के लिए तैयार किए गए बलिदान हैं, इत्यादि।

कोई यह तर्क दे सकता है, और मुझे लगता है कि किसी को यह तर्क देना चाहिए, कि अब्राहमिक वाचा अभी भी लागू थी। भजन 105 इस वाचा पर विचार करता है, और हम पहले ही इन आयतों को देख चुके हैं। यहाँ, आरंभ में, हम उसे याकूब और इस्राएल के लिए एक अनन्त वाचा के रूप में इसकी पुष्टि करते हुए पाते हैं।

हालाँकि, यह सामूहिक रूप से इस्राएल नहीं है। यह एक व्यक्ति के रूप में इस्राएल है। इस्राएल नाम याकूब को इसलिए दिया गया क्योंकि उसने परमेश्वर के साथ संघर्ष किया था।

भजन 105 में ये आयतें, 8 से 11, हमें बताती हैं कि प्रभु ने अतीत में इसकी पुष्टि की है। उसने इस वाचा की पुष्टि की। उसने इसे जारी रखा।

उन्होंने इसे कुलपिताओं के साथ जारी रखा और उन पर चिंतन किया जब वे अजनबी थे, संख्या में कम थे। वे देश भर में भटकते थे। उन्होंने किसी को भी उन पर अत्याचार करने की अनुमति नहीं दी।

उनके लिए, उसने राजाओं को फटकार लगाई और इसी तरह के अन्य लोगों को भी। वह कहता है कि वह उन्हें अपने भविष्यवक्ताओं को कोई नुकसान नहीं पहुँचाने देगा। संयोग से, वह श्लोक इस बात की पुष्टि करता है कि कुलपिता भविष्यवक्ता थे।

हम जानते हैं कि प्रभु ने भजन 105 और उत्पत्ति से भी कुलपिताओं के साथ इसे जारी रखा था। लेकिन हम इस तथ्य से भी जानते हैं कि मूसा की वाचा में खतना की आवश्यकता थी, इसलिए अब्राहम की वाचा जारी थी। यह ध्यान में रखने वाली एक महत्वपूर्ण बात है।

यदि आप एक इस्राएली थे, तो आपके पास वाचा के दो चिन्ह थे। खतना, जिसका अर्थ था कि आप अब्राहमिक वाचा के सदस्य थे और आप सब्त का पालन करेंगे, जो मूसा की वाचा के प्रति आपकी वफ़ादारी का संकेत था। ये तब तक जारी रहे जब तक कि यीशु उन दोनों को पूरा करने के लिए नहीं आए।

पौलुस ने अब्राहम की वाचा और मूसा की वाचा के बीच यह अंतर स्पष्ट किया है, और यह एक महत्वपूर्ण अंतर है। वह कहता है कि वादे अब्राहम और उसके वंश से किए गए थे। वह बताता है कि यह एकवचन है, इसलिए यह मसीह है।

430 साल बाद शुरू की गई व्यवस्था, परमेश्वर द्वारा पहले से स्थापित वाचा को अलग नहीं करती है और इस तरह वादा खत्म कर देती है। क्योंकि अगर विरासत व्यवस्था पर निर्भर करती है, तो यह अब किसी वादे पर निर्भर नहीं है, बल्कि परमेश्वर ने अपने अनुग्रह में इसे अब्राहम को एक वादे के ज़रिए दिया, यह वादा कि सभी राष्ट्र उसके ज़रिए आशीर्वाद पाएँगे। मूसा की वाचा ऐसा वादा नहीं करती।

तो आपके पास अब्राहमिक वाचा है। यह जारी है। कानून भी दिया गया है, और वे दोनों लागू हैं।

जब हम नई वाचा को देखेंगे तो हम इस पर और अधिक गौर करेंगे, लेकिन हमें याद है कि पौलुस यहाँ इस बारे में बात करता है कि, तो फिर व्यवस्था, तीहोन क्यों हमास, जिसका अर्थ यह नहीं है कि कानून क्या है, बल्कि यह है कि कानून क्यों है। कानून हमें मसीह की आवश्यकता दिखाने के लिए एक शिक्षा के रूप में दिया गया था, और हम इसके बारे में और बात करेंगे। लेकिन अपनी बुद्धि में, प्रभु ने कानून दिया ताकि इस्राएल को एहसास हो कि वे इसे पूरा नहीं कर सकते, और उन्हें इसे पूरा करने के लिए मसीह की आवश्यकता है।

लेकिन व्यवस्था के अलावा, एक तरह से, इतिहास में अब्राहमिक वाचा भी साथ-साथ चलती रही, और यही वह वाचा है जिसके ज़रिए सभी लोग धन्य होने जा रहे हैं। यही वह वाचा है जिसमें आत्मा का वादा शामिल है, और यह वास्तव में व्यवस्था से कहीं बेहतर साबित होती है। तो, अब्राहमिक वाचा और नई वाचा।

हमने देखा है कि अब्राहमिक वाचा नए का पूर्वाभास कराती है। हमने वाचा के चिन्हों और उनके महत्व के बारे में थोड़ी बात की है। अब्राहमिक वाचा का चिन्ह खतना है।

मूसा की वाचा का चिन्ह सब्त है। चर्च में बहुत से लोग इस बारे में बहुत उलझन में होंगे। अगर आप इसे समझ गए हैं, तो यह आपके जानने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए स्पष्ट करने के लिए एक अच्छी बात होगी।

नए नियम का चिन्ह बपतिस्मा है। नियम के चिन्हों में परिवर्तन से पता चलता है कि नया नियम अब्राहमिक नियम और वास्तव में, मूसा के नियम को भी पीछे छोड़ देता है। लेकिन वास्तव में, यह उन दोनों को पीछे छोड़ देता है, ठीक वैसे ही जैसे यीशु की सेवकाई पुराने नियम की सेवकाई को पीछे छोड़ देती है और उससे श्रेष्ठ है।

और यहाँ नए करार पर थोड़ा आगे देखते हुए, क्योंकि आप वास्तव में अब्राहमिक के बारे में बात नहीं कर सकते हैं बिना नए के बारे में बात किए, और फिर आप वास्तव में पुराने का संदर्भ दिए बिना नए के बारे में बात नहीं कर सकते हैं, हम देखते हैं कि इब्रानियों में क्या कहा गया है। यीशु को जो सेवकाई मिली है वह उनकी सेवकाई से उतनी ही श्रेष्ठ है जितनी कि वह जिस वाचा का मध्यस्थ है वह पुरानी वाचा से श्रेष्ठ है, और यह बेहतर वादों, अर्थात् अब्राहमिक वाचा पर आधारित है। यदि उस पहली वाचा में कुछ भी गलत नहीं होता, तो दूसरी वाचा के लिए कोई जगह नहीं तलाशी जाती।

खैर, मैं यहाँ थोड़ा सा पूर्वानुमान लगा देता हूँ कि हम जल्द ही क्या कहने वाले हैं। और फिर, जब हम नई वाचा को देखते हैं, तो पुरानी वाचा में क्या गलत था? एक विद्वान ने कहा है, देखो, यह परमेश्वर की ओर से आया है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। ठीक है, सख्त अर्थ में, इसमें कुछ भी गलत नहीं था, लेकिन इस अर्थ में यह अपूर्ण था।

व्यवस्था ने वह मानक दिया था जिसके अनुसार परमेश्वर अपने लोगों से जीने की अपेक्षा करता था, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके। वे व्यवस्था के अनुसार नहीं जी सके। वे असफलता के लिए अभिशप्त थे।

उन्हें जो चाहिए था वह यहजेकेल 36:27 में वादा किया गया था, और जो उन्हें पुरानी वाचा के तहत नहीं मिला, कि प्रभु अपनी आत्मा उनमें डालेगा और उन्हें अपने नियमों और आदेशों का पालन करने के लिए प्रेरित करेगा। इसके बिना, वे ऐसा नहीं कर सकते थे, और उन्होंने ऐसा नहीं किया, और इसलिए वे असफल हो गए। और उनकी असफलता शैक्षणिक थी।

इसका उद्देश्य उन्हें यह एहसास दिलाना था कि उन्हें अपने लिए कानून को पूरा करने के लिए मसीह की आवश्यकता है। और वह अब्राहम का वादा किया हुआ वंश है, और उसके साथ आत्मा का वादा आता है जिसके बारे में यहजेकेल ने यहजेकेल 36:27 में भविष्यवाणी की थी, मैं अपनी आत्मा उनमें डालूँगा और उन्हें मेरी आज्ञा मानने के लिए प्रेरित करूँगा। और इसलिए, कानून उसके लिए शैक्षणिक था, और कोई आश्चर्य कर सकता है, हे प्रभु, आपने दुनिया में ऐसा कानून क्यों दिया जिसे वे पूरा नहीं कर सकते थे, उन्हें बताया कि उन्हें इसे पूरा करना होगा, जब वे इसे पूरा करने में विफल रहे तो उन्हें क्रूर और भयानक निर्वासन में भेज दिया, और यह सब।

और मुझे नहीं लगता कि किसी के पास इसका जवाब है। लेकिन भगवान जानता है कि वह क्या कर रहा है। हम सोच सकते हैं कि हम अलग तरीके से काम करेंगे।

मुझे लगता है कि मैं इसे अलग तरीके से करूँगा। मैं कभी-कभी सोचता हूँ, देखो, अगर मैं भगवान होता और मुझे पता होता कि मैं इस पुरुष और महिला को बनाने जा रहा हूँ और इसके परिणामस्वरूप अधिकांश मानव जाति का क्या होगा, तो मैं ऐसा नहीं करता। लेकिन फिर, जब मैं भगवान के साथ होता हूँ, तो मैं अलग तरीके से सोचता हूँ क्योंकि मैं देखूँगा, मैं उन तरीकों से समझूँगा जो मैं अब नहीं समझ सकता कि वह सही था।

और इसलिए, जैसा कि अब्राहम ने उत्पत्ति 18 में कहा, क्या सारी पृथ्वी का न्यायी वही नहीं करेगा जो सही है? और इसका उत्तर है हाँ, वह करेगा। हम यह सब नहीं समझ सकते, लेकिन हम यहाँ इतना समझ सकते हैं कि वह दयालु है और लोगों को बचा रहा है, और यही वह नई वाचा के साथ कर रहा है। लेकिन इसे संक्षेप में संबोधित करने के लिए, पुरानी मूसा की वाचा अप्रचलित है।

यह गायब हो जाता है। और एक नई वाचा का वादा है, जिसे इब्रानियों 8 में यिर्मयाह 33 से उद्धृत किया गया है। यह वह वाचा है जो मैं उनके साथ बनाऊँगा।

हिब्रू मुहावरा है कट, इसलिए यह एक अलग वाचा है। यह किसी भी चीज़ का नवीनीकरण नहीं है। मैं अपने नियम उनके दिमाग में डालूँगा और उन्हें उनके दिलों पर लिखूँगा।

मुझे लगता है कि यह कहने का एक और तरीका है, जो हमें उत्पत्ति में, या बल्कि यहेजकेल 36, 27, या व्यवस्थाविवरण 30 में बताया गया है, उनके दिलों का खतना करना। मैं उनका परमेश्वर बनूँगा, वे मेरे लोग होंगे, इत्यादि। हम सभी प्रभु को जानने जा रहे हैं।

मैं उनकी दुष्टता को क्षमा कर दूँगा और उनके पापों को फिर कभी याद नहीं रखूँगा। और इस वाचा को नया कहकर, उसने पहली वाचा को अप्रचलित बना दिया है, और जो अप्रचलित और पुराना है वह जल्द ही गायब हो जाएगा। और जैसा कि हमने उल्लेख किया है, वाचा को काटना, यह दर्शाता है कि यह एक मुहावरा है जिसका उपयोग वाचा के नवीनीकरण या वाचाओं को काटने के लिए किया जाता है।

यह सिर्फ पुरानी वाचा की पुष्टि नहीं है। लेकिन यह तथ्य कि यह सिर्फ पुरानी वाचा का नवीनीकरण नहीं हो सकता, यहाँ स्पष्ट किया गया है, मुझे लगता है। यह उस वाचा की तरह नहीं होगा जो मैंने उनके पूर्वजों के साथ की थी जब मैंने उनका हाथ पकड़कर उन्हें मिस्र से बाहर निकाला था।

मुझे लगता है कि एक प्राचीन निकट पूर्वी व्यक्ति कभी नहीं कहेगा कि नवीनीकरण वाचा उस वाचा की तरह नहीं है जिसे वह नवीनीकृत करता है। पूरा मुद्दा यह है कि यह वाचा को नवीनीकृत करता है, इसे बदली हुई परिस्थितियों के लिए समायोजन के लिए कुछ छेड़छाड़ के साथ फिर से बताता है। यदि आप व्यवस्थाविवरण, मोआब वाचा, सिनाई वाचा के साथ देखें, तो आपको बिल्कुल यही मिलेगा।

आपको वही दस वचन मिलते हैं; आपको वही कानून मिलते हैं; यह अनिवार्य रूप से वही वाचा है; आपको वही पुरोहिती मिलती है, और वही बलिदान प्रणाली निहित है। कुछ भी नहीं बदलता, कोई भी महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होता। नई वाचा एक बिल्कुल अलग सौदा है।

अब अपने पापों के लिए बैल और बकरे प्रभु के पास नहीं लाते। हमारे पास एक ही बलिदान है और बस इतना ही।

जहाँ पुरोहिताई में बदलाव होता है, वहाँ कानून में भी बदलाव होता है। हमारे पास एक नया महायाजक है। पुराना पुरोहिताई, पुराना कानून खत्म हो चुका है। इसलिए, यह नवीनीकरण नहीं है।

ऐसे विद्वान हैं जो सोचते हैं कि यह नवीनीकरण है, लेकिन मुझे लगता है कि वे यह नहीं समझते कि प्राचीन दुनिया में या यहाँ तक कि बाइबल में भी नवीनीकरण क्या था। हम यहाँ उल्लेख करते हैं कि वाचा काटने के मुहावरे का उपयोग नवीनीकरण वाचा की पुष्टि के लिए किया जा सकता है, और यह व्यवस्थाविवरण में सच है। और वहाँ आप पढ़ते हैं कि यह वह वाचा है जिसे प्रभु ने उनके साथ काटा था, जो कि सभा के पर्वत पर काटी गई वाचा के अतिरिक्त है।

और यह कहने का एक तरीका है, मुझे लगता है, आपके पास सिनाई वाचा है, अब हम इसे काट रहे हैं, लेकिन हम समझते हैं कि यह एक नवीनीकरण है। वहाँ जो हुआ वह यह था कि उसने सिनाई में इज़राइल के साथ एक वाचा काटी। हमें याद है कि उस पीढ़ी ने वादा किए गए देश में जाने की संभावना पर रोक लगा दी थी, संख्या 13 और 14।

जासूसों ने इस अद्भुत दिखने वाले फल को वापस लाया, लेकिन साथ ही दैत्यों और शहरों की दीवारों की रिपोर्ट भी लाई जो स्वर्ग तक पहुँचती थी, और लोग भयभीत हो गए। और इसलिए संख्या 14 में प्रभु कहते हैं, आप जानते हैं क्या? उन्हें विश्वास नहीं था कि मैं यह कर सकता हूँ, उन्होंने मुझे नहीं छोड़ा। उन्हें विश्वास नहीं था कि मैं यह कर सकता हूँ।

इसलिए वे जंगल में भटकते रहेंगे। लाशें वहीं गिरेगी, और उनके बच्चे बड़े होकर ज़मीन पर कब्ज़ा कर लेंगे। और यही हुआ।

खैर, प्राचीन दुनिया में, जब कोई जागीरदार मर जाता था, तो सुजैन संधि को नवीनीकृत करता था, क्या मैं आगे बढ़ूँ? जागीरदार के अगले बेटे, मृत जागीरदार के बेटे के साथ संधि को नवीनीकृत करेगा। यही प्रभु व्यवस्थाविवरण में कर रहा है। वह एक नई पीढ़ी, मृत जागीरदारों के बच्चों के साथ सिनाई वाचा को नवीनीकृत कर रहा है।

यह एक नवीनीकरण है। यहाँ आपको ऐसा कुछ नहीं मिलता। इसलिए, वाचा को काटने के लिए उसी क्रिया का उपयोग किया जाता है, लेकिन यिर्मयाह में भविष्यवाणी की गई नई वाचा में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है।

यह एक अलग वाचा होगी। यह वैसी नहीं होगी जैसी उसने उनके पूर्वजों के साथ तब की थी जब वह उन्हें मिस्र से बाहर लाया था - इसलिए, क्रिया वही है, लेकिन नवीनीकरण वाचा नहीं।

तो, नया नियम अब्राहमिक नहीं है। और फिर क्या यह माफ़ी का नवीनीकरण है, मोज़ेक का नवीनीकरण नहीं? तो क्या यह अब्राहमिक का नवीनीकरण है? और मुझे लगता है कि यह भी अस्वीकार्य है क्योंकि अब्राहमिक का अंत हो चुका है।

नवीनीकरण वाचाएँ नवीनीकृत होती हैं और उन वाचाओं पर जारी रहती हैं जिन्हें वे नवीनीकृत करती हैं। उन्हें किसी अलग वाचा चिह्न की आवश्यकता नहीं होती। और पिछली वाचा का चिह्न निरस्त नहीं होता, जो अब्राहमिक वाचा के साथ होता है।

पौलुस अब्राहमिक वाचा को प्रतिज्ञा या प्रतिज्ञाओं के रूप में भी चित्रित करता है। वह एक दिलचस्प वाक्यांश का उपयोग करता है, जो मुझे लगता है कि इफिसियों 2 में बहुत खुलासा करता है। इसलिए, याद रखें कि आप जो पहले जन्म से अन्यजाति हैं और जो खुद को खतना करने वाले कहते हैं, वे आपको खतना रहित कहते हैं।

याद रखें कि उस समय, आप मसीह से अलग थे, इज़राइल में नागरिकता से वंचित थे, और दुनिया में आशाहीन और ईश्वर रहित वादे की वाचाओं के लिए विदेशी थे। लेकिन अब, यीशु मसीह में, मसीह यीशु में, आप जो कभी दूर थे, मसीह के खून के माध्यम से निकट लाए गए हैं। वादे की वाचाएँ, यहाँ पॉलिन के उपयोग में वादा, मूल रूप से अब्राहमिक वाचा का अर्थ है।

और इसलिए वह हमें इस तथ्य की ओर संकेत कर रहा है कि अब्राहम की वाचा में अन्य वाचाएँ भी शामिल हैं। ये वे वाचाएँ हैं जो अब्राहम से किए गए वादे में शामिल हैं। और हम पहले ही देख चुके हैं कि वे क्या हैं।

मूसा की वाचा अब्राहम की वाचा से निकली है, दाऊद की वाचा उससे निकली है, और फिर, बेशक, नई वाचा। तो ये वादे की वाचाएँ हैं। ये मूर्तिपूजक उनके लिए विदेशी थे, लेकिन अब, नई वाचा में मसीह में लाए जाने के कारण, वे उन सभी में भागीदार हैं।

छुटकारे का कार्यक्रम वादे की वाचाओं से बना है, लेकिन अब, बेशक, केवल नई वाचा है, जिसके अधीन हम हैं। और जैसा कि हम इसे समाप्त करने के लिए गलातियों में पढ़ते हैं, जैसा कि हम गलातियों 3:15 से 25 में पढ़ते हैं, अब्राहमिक वाचा नई वाचा तक जारी रहती है। नई वाचा इसे पूरा करती है, और आज हम यहीं हैं।

तो, यह वादा अब्राहम से किया गया था, जो अब्राहमिक वाचा में निहित है। यह अब नई वाचा में यीशु मसीह में विश्वास के माध्यम से दिया गया है। इसमें पवित्र आत्मा शामिल है।

एक अर्थ में, यही इसके बारे में गतिशील आवश्यक बात है। इसलिए पौलुस कह सकता है कि विश्वास के द्वारा, हम आत्मा की प्रतिज्ञा प्राप्त कर सकते हैं, और यह सब मसीह के द्वारा पूरा होता है। यूहन्ना हमें बताता है कि अब्राहम को इस सब के बारे में क्या पता था, उसने क्या अनुमान लगाया था, और वह क्या बता सकता था।

यूहन्ना 8:56 कहता है, " तुम्हारा पिता अब्राहम मेरा दिन देखने के विचार से बहुत प्रसन्न हुआ। उसने इसे देखा और प्रसन्न हुआ। इसलिए स्पष्ट है कि प्रभु ने अब्राहम को बहुत कुछ देखने दिया।

हम सभी विवरण नहीं जानते, लेकिन यह बाइबल में देखी गई संक्षिप्त रिपोर्टिंग का एक और पहलू है, और हम इसके अन्य मामले भी देखेंगे। अगली बार , हम मोज़ेक वाचा, इसकी आवश्यकताओं और इसके तहत होने वाली विजय को देखना शुरू करेंगे।

यह डॉ. जेफरी नीहॉस बाइबिल धर्मशास्त्र पर अपनी शिक्षा में हैं। यह सत्र 5 है, अब्राहमिक वाचा।